पुण्यतिथि भारतीय स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा को कांग्रेसियों सहित सामाजिकजनों ने अर्पित की श्रृद्धांजलि

अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष करने वाले जननायक को किया गया नमन

नवभारत,जबलपुर। जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण एवं शहर द्वारा महान स्वतंत्रता सेनानी, जनजातीय गौरव और आदिवासी समाज के प्रेरणास्त्रोत बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि मंगलवार को श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण अध्यक्ष संजय यादव एवं शहर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ शर्मा के नेतृत्व में अधारताल चौराहे स्थित बिरसा मुंडा जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। इस दौरान कांग्रेसजनों ने उनके जीवन एवं संघर्षों को याद करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

आयोजन में मुख्य वक्ताओं ने कहा कि बिरसा मुंडा जी ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष करते हुए जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने आदिवासी समाज के अधिकारों, स्वाभिमान और सामाजिक न्याय के लिए जो संघर्ष किया, वह आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उनके विचार हमें अन्याय, शोषण और भेदभाव के विरुद्ध आवाज उठाने तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचाने की प्रेरणा देते हैं। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पूर्व मंत्री कौशल्या गोंटिया, सतीश तिवारी, शिव नामदेव, संगठन मंत्री रितेश गुप्ता, विवेक यादव, रज्जू सराफ, रविन्द्र गौतम, रिजवान अली कोटी, सुभाष पटेल, मनोज नामदेव, अशोक यादव, संगीता सिंह, चमन पासी, आयुष मेहरा, ताहिर सिंह करण एवं आदित्य झारिया सहित अन्य कांग्रेसी मौजूद रहे।

तहसील कुंडम में पौधरोपण

बिरसा मुंडा की पर्यावरण प्रेम की भावना को समर्पित करते हुए परिषद के कार्यकर्ताओं द्वारा तहसील कुंडम के शिव टेकरी तिलसानी में वृक्षारोपण किया गया। सैकड़ों पौधे लगाकर हरियाली बचाने का संदेश दिया गया।संघ के एड. शैलेश धुर्वे,राजेन्द्र सिंह तेकाम,बसंत तेकाम दीपेन्द्र मरकाम रामकुमार सैयाम, बालकृष्ण उइके उदय मरावी, महेन्द्र मरावी नरेश मरकाम शेखलाल आर्मो ब्रजमोहन धुर्वे धीरेन्द्र संजू ठाकुर, अरविन्द मार्को, कपिल मार्को नीलेश सहित अन्य मौजूद रहे।

आदिवासी धर्म कॉलम की मांग को किया बुलंद

म.प्र. आदिवासी विकास परिषद, जिला शाखा जबलपुर द्वारा भगवान बिरसा मुंडा चौक, आधारताल स्थित प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उपस्थितजनों ने बिरसा बाबा के 'जल, जंगल, जमीन' के नारे को दोहराते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। इस दौरान सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने 227 की जनगणना में आदिवासियों के लिए अलग 'आदिवासी धर्म कॉलम' जोड़े जाने की पुरजोर मांग की। साथ ही 'जल-जंगल-जमीन बचाओ' का संकल्प दोहराया गया। वक्ताओं ने ये भी कहा कि बिरसा बाबा ने जंगल और प्रकृति की रक्षा के लिए कुर्बानी दी थी, उसी रास्ते पर चलकर पर्यावरण बचाना हमारा कर्तव्य है।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार प्रकोष्ठ ने किया नमन

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अजय नारायण सितलानी के परिपत्र के अंतर्गत शहर जिला स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार प्रकोष्ठ के नगर अध्यक्ष राजेंद्र रज्जू सराफ एवं जिला अध्यक्ष नारायण शर्मा के संयोजन में अधारताल चौराहा स्थित महान जननायक एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बिरसा मुंडा जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज नामदेव ने जिला प्रभारी केशव प्रसाद चौरसिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष वी. हनुमंत राव, पवन बम बम सोनी, ओम प्रकाश शर्मा, अशोक यादव, श्याम सोलंकी, मदन मोहन राय, ओम जायसवाल, शिव मंगल यादव सहित स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के उत्तराधिकारी एवं वंशजों के साथ प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम का संचालन सेनानी प्रकोष्ठ के नगर संगठन मंत्री पवन सोनी ने किया। अंत में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

हूल दिवस पर राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

अखिल भारतीय आदिवासी शबरी महासंघ के तत्वाधान में 9 जून को

अधारताल तिराहे पर बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पूर्व मंत्री कौशल्या गोंटिया के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में जल, जंगल, जमीन के लिए पहली क्रांति को हूल दिवस के रूप में याद किया गया। इस अवसर पर समाज द्वारा राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें भारत की आगामी जनगणना के फॉर्म में आदिवासी धर्म का अलग कॉलम जोड़ने की मांग की गई है।

गढ़ा गोंडवाना संरक्षण संघ ने दी पुष्पांजलि

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 126 वीं पुण्यतिथि राजा शंकर शाह कुंवर रघुनाथ शाह प्रतिमा स्थल में मनाई गई और श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। गढ़ा गोंडवाना संरक्षण संघ जबलपुर एवं अन्य संगठनों के पदाधिकारियों ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जी की 126 वीं पुण्यतिथि पर उनके तैल चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की तथा जल जंगल जमीन को संरक्षित करने का जो संकल्प उन्होंने लिया था उस संकल्प को पूरा करने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर गढ़ा गोंडवाना संरक्षण संघ के जिला अध्यक्ष नेम सिंह मरकाम, कार्यवाहक अध्यक्ष अजय झारिया,संभागीय अध्यक्ष सचिव उत्तम सिंह ताराम, सरमन रजक, जगदीश नन्हेट,डोमा परिसंघ के जिला अध्यक्ष राजेंद्र कापसे, महासचिव मुक्तेश्वर राव, उपाध्यक्ष सुरेंद्र लखेरा,गया सिंह धुर्वे,एडवोकेट एच.एन.मार्को, आकाश चौधरी, एडवोकेट अनुराग सिंह बालसिंह मरावी आदि उपस्थित हुए। कार्यक्रम पश्चात संघ के सभी पदाधिकारियों ने अधारताल चौक पहुंचकर भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

एक नजर में

समन्वय सेवा केन्द्र में प्रवचन माला का समापन

नवभारत, जबलपुर। आदिशंकराचार्य चौक (छोटी लाइन फाटक)स्थित समन्वय सेवा केंद्र के जयनारायण सभागृह में चल रही समन्वय साधना प्रवचनमाला का समापन हुआ। तृतीय दिवस स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि ने भगवान श्रीहरि के कूर्म , मत्स्य और वामन अवतारों का वर्णन कर प्रवचन माला को विराम दिया । उन्होंने सृष्टि के आविर्भाव, स्थिति, प्रलय तथा सृष्टि के पुनः उद्भव को केंद्रित कर विशद् विश्लेषण किया। साथ ही उन्होंने कहा कि भारतीय सनातन धर्म की मान्यता के अनुसार और अवतार वाद की मान्यता के अनुसार भगवान विष्णु के अनेक अवतार हुए हैं। परंतु उक्त पांच अवतारों की चर्चा बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। सनातन मान्यता के अनुसार ईश्वर सर्वशक्ति संपन्न है। वह निर्गुण-निराकार भी है और सगुण-साकार भी है। भगवान अनंत हैं, उनकी कथाओं का भी अंत नहीं है। विदित हो कि प्रवचनमाला 6 जून से 8 जून तक आयोजित की गई। इस मौके पर स्वामी गिरजानंद सरस्वती, महंत प्रकाशानंद, डॉ कैलाश गुप्ता, रविंद्र राठी, सुधीर बुधरानी, मदन मोहन दुबे, मीना राय, डॉ विम्मी पांडे, ममता मिश्रा, पवन खेड़ा सहित अन्य श्रद्धालु मौजूद थे।

घर-घर जाकर दी जा रही स्वच्छता की समझाईश

नवभारत,जबलपुर। विश्व पर्यावरण पखवाड़े के अंतर्गत वार्ड क्षेत्र में जनजागरूकता अभियान आयोजित किया गया। इस दौरान पार्षद विवेकराम सोनकर , नगर पालिक निगम जबलपुर की आईईसी टीम एवं नागरिकों की उपस्थिति में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधारोपण किया गया। इस दौरान जनप्रतिनिधि द्वारा घर-घर जाकर नागरिकों को 5-बिन प्रणाली, कचरा पृथक्करण एवं स्वच्छता के महत्व के बारे में समझाइश दी गई। वार्ड भ्रमण के दौरान लोगों को पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता में सहभागिता बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया। वहीं नागरिकों ने स्वच्छ एवं हरित जबलपुर के निर्माण में सक्रिय सहयोग देने का संकल्प लिया।

पुस्तक ज्ञान जीवन की औषधि : विनोद नयन

नवभारत जबलपुर। संस्कारधानी की साहित्यिक एवं सामाजिक संस्था काव्य कलश द्वारा साहित्यिक समारोह में नगर के पांच साहित्यकारों की कृतियों पर समीक्षा-चर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अर्चना गोस्वामी द्वारा सरस्वती वंदना तथा अर्चना गुदालु द्वारा मंगलभाव प्रस्तुति के साथ किया गया। समारोह में आचार्य संजीव वर्मा सलिल की कृति 'जंगल में जनतंत्र', विजय बागरी की 'महके नेह निकुंज', नवीन चतुर्वेदी की 'सुनो धनंजय', डॉ. अभिजात कृष्ण त्रिपाठी की 'अब पछताए होत का' तथा पुष्पा गुप्ता प्रांजलि की 'कुंडलिया कुंज' पर क्रमशः सुरेंद्र पवार, डॉ. श्रीकांता अवस्थी, सुवीर श्रीवास्तव, डॉ. कौशल दुबे एवं राजकुमार महोबिया ने समीक्षात्मक विचार व्यक्त किए। चर्चा में मुख्य वक्ता वरिष्ठ साहित्यकार इंजीनियर विनोद नयन ने कहा कि 'पुस्तक ज्ञान जीवन की औषधि है। पुस्तकों का अध्ययन व्यक्ति और समाज दोनों को संस्कारित करता है।' इस मौके पर संस्था के अध्यक्ष डॉ. विनोद बाजपेयी ने सभी अतिथियों एवं साहित्यकारों का स्वागत काव्य कलश भेंट कर किया। कार्यक्रम में कृतिकारों का परिचय डॉ. विनीता पांडेय 'विनीत', कृष्णा राजपूत, नीता सिंह, अर्चना मलैया एवं अभय तिवारी ने दिया, जबकि समीक्षकों का परिचय विजेंद्र उपाध्याय, मिथलेश नायक, डॉ. लक्ष्मी दीक्षित, ज्योत्सना शर्मा एवं सुभाष मणि बैरागी ने कराया।

पीतांबर एनिमल वेलफेयर संघ का एबीसी अभियान तेज

नवभारत, जबलपुर। संस्कारधानी के हर एरिया में कम्युनिटी डॉग्स की बढ़ती तादाद और एग्रेसिव होने की शिकायतों को देखते हुए पीतांबर एनिमल वेलफेयर संघ रेजिडेंट्स व फीडर्स की मदद से तेजी से एबीसी अभियान चला रहा है। इस परेशानी को समझकर एनजीओ द्वारा शवानों की नसबंदी और वैक्सीनेशन शुरू किया गया है। महीने से चालू इस अभियान में अब तक 80 स्टारलाइजेशन और 150 से अधिक एंटी रेबीज वैक्सीनेशन किए जा चुके हैं, और आगे भी यह तेजी से चालू है। स्थानीय लोग, फीडर्स और वेटरनरी डॉक्टर के सहयोग से अलग-अलग कम्युनिटी को पपी फ्री और रेबीज मुक्त बनाने की कोशिश जारी है। पीतांबर एनिमल वेलफेयर संघ की अध्यक्ष मोनिका भल्ला और सहयोगी उमंग श्रीवास्तव एवं सुरभि पांडे का मानना है कि शवानों की अनियंत्रित बढ़ती संख्या रोकने और रेबीज जैसी बीमारियों से बचाव जरूरी है। एनजीओ और रेजिडेंट्स मिलकर यह एबीसी अभियान चला रहे हैं। एनजीओ की कोशिश संस्कारधानी के हर एरिया में सौ फीसदी स्टारलाइजेशन और वैक्सीनेशन को सफल बनाना है।

काम कराकर लौटे आवेदकों के चेहरों में मुस्कान

▸ नगि जनसुनवाई

नवभारत, जबलपुर। नगर निगम मुख्यालय और सभी संभागीय कार्यालयों में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई नागरिकों के लिए बेहद राहत भरी साबित हुई। इस दौरान निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार भी जनसुनवाई में पहुंचे और नागरिकों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान कराया। मुख्यालय में आयोजित सुनवाई के दौरान निगमायुक्त ने लगातार दो घंटे तक नागरिकों की समस्याओं को सुना और प्राप्त सभी 48 आवेदनों पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इस अवसर पर सभी आवेदक काम कराकर चेहरों पर मुस्कान लेकर लौटे।

जनसुनवाई के दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 48 शिकायतें भवन शाखा 13, अतिक्रमण विभाग 11, स्वास्थ्य एवं राजस्व विभाग 4-4, कॉलोनी सेल, लेखा शाखा एवं उद्यान विभाग 3 - 3 जल, संपदा, आवास योजना, बाजार, कार्यालय अधीक्षक, फायर एवं संभाग 15 1 - 1 प्राप्त हुईं। निगमायुक्त ने बिना समय गंवाए सभी शिकायतों को संबंधित विभागों में प्रेषित किया। इसमें से राजस्व और स्वास्थ्य विभाग से जुड़े कई मामलों का मौके पर ही त्वरित निराकरण कर आवेदकों को तुरंत राहत पहुंचाई गई।

निगम के संभागीय कार्यालयों में भी निराकरण

वहीं सभी संभागीय कार्यालयों में भी जनसुनवाई का प्रभावी दौर चला। संभाग स्तर पर कुल 64 आवेदन प्राप्त हुए। संभागीय अधिकारियों ने सक्रियता दिखाते हुए सभी 64 आवेदनों का निराकरण मौके पर ही सुनिश्चित किया, जिससे नागरिकों को मुख्यालय के चक्कर काटने से मुक्ति मिली। जनसुनवाई के दौरान निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के साथ अपर आयुक्त विद्यानंद बाजपेई, जनसुनवाई प्रभारी सहायक आयुक्त वेद प्रकाश, रचयिता अवस्थी, गुलाब इमवाती, सुनील दुबे, इंद्र कुमार वर्मा, देवेंद्र पटेल, प्रमोद अग्रवाल, सतीश मिश्रा सहित समस्त विभागीय प्रमुख और उनके प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

नीट पेपर लीक मामले में कांग्रेस की श्रद्धांजलि सभा

नवभारत, जबलपुर। नीट परीक्षा में अनियमितताओं व पेपर लीक को लेकर उपजे आक्रोश के बीच ब्लॉक कांग्रेस कमेटी रांझी के संयोजन में चंद्रशेखर वार्ड के मंडलम अध्यक्ष नारायण गुप्ता के नेतृत्व में रांझी मेन रोड स्थित दर्शन तिराहे पर भावभीनी श्रद्धांजलि सभा हुई। इसमें उपस्थित कांग्रेसजनों व क्षेत्रीय नागरिकों ने परीक्षा संबंधी तनाव व परिस्थितियों के कारण जान गंवाने वाले मासूम विद्यार्थियों को श्रद्धांजलि दी।

कार्यकर्ता व नागरिक उपस्थित

इस अवसर पर नारायण प्रसाद गुप्ता, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष आशुतोष वत्स, शहर जिला महासचिव रविंद्र कुशवाहा, जग्गू विश्वकर्मा, आदित्य मिश्रा, निर्मल चंद जैन, राजेंद्र मिश्रा, सोनू गुप्ता,

मनीष बेन, मनोज लोधी, राजू कनौजिया, मनोज लोधी, चंदन चौधरी, मोहन सिंह, सौरभ यादव, केके मिश्रा, राजेश श्रीवास, संजू ठाकुर, गोविंद चौधरी, देवेंद्र लखेरा, बंटी मारुति, कमलेश चौधरी, राहुल चौधरी, गोविंद चौधरी, हुकुमचंद जैन, ईश्वरी पटेल, रामू कॉल, रांझी ब्लॉक कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे।

निष्पक्ष जांच की मांग

वक्ताओं ने कहा कि लाखों विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़े इस गंभीर प्रकरण ने शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाया है। आरोप लगाया कि सरकार जवाबदेही से बच रही है और युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ हो रहा है। लोगों ने दिवंगत विद्यार्थियों की आत्मा की शांति हेतु दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धासुमन अर्पित किए और निष्पक्ष जांच व दोषियों पर कठोर कार्रवाई मांगी।

अब 12 जून तक होंगे पंजीयन

नवभारत,जबलपुर। विश्वविद्यालय के 36वें दीक्षान्त समारोह में भारत की राष्ट्रपति के आगमन को दृष्टिगत रखते हुए तथा व्यवस्था एवं पूर्ण तैयारी हेतु पंजीयन तिथि में संशोधन किया गया है। इस संबंध में जारी संशोधित अधिसूचना के अनुसार स्वर्ण पदकधारी और पीएचडी उपाधि धारकों के ऑनलाइन आवेदन और पंजीयन दिनांक 15 जून के स्थान पर दिनांक 12 जून, 2026 को सायं 5.00 बजे तक होंगे। इसी प्रकार दीक्षांत का रिहर्सल कार्यक्रम दिनांक 18, 19 जून को प्रातः 11.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक एवं दिनांक 20 जून को फुल गणवेश में प्रातः 11.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक सभी पंजीयनकर्ता विद्यार्थियों की उपस्थिति अनिवार्य होगी।

लायन नेतृत्व सम्मान दिवस का आयोजन आज

नवभारत, जबलपुर। लायन नेतृत्व सम्मान दिवस के अवसर पर लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 सी के सत्र 2026-27 के निर्वाचित वाइस गवर्नर द्वितीय पीएमजेएफ लायन अनिल अग्रवाल, भिलाई रीजन व जोन चेयरपर्सन सहित जबलपुर के सेन्ट्रल, मार्बल रॉक्स, जाबालि, फतेह, संस्कारधानी, स्टार, उदय, सिटी और टाऊन लायंस क्लबों के अध्यक्ष, सचिव व कोषाध्यक्ष का सम्मान समारोह आज होने जा रहा है। लायंस परिवार जबलपुर द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम मार्गदर्शक पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एमजेएफ लायन कैलाश गुप्ता, लायन टी. आर. नायक, पीएमजेएफ लायन प्रकाश चांडक, एमजेएफ लायन राजीव अग्रवाल एवं एमजेएफ लायन नरेन्द्र जैन के सानिध्य में संपन्न होगा। एमजेएफ लायन उमेश जैन एवं एमजेएफ लायन यशवंत सेंगर ने जानकारी दी कि लायंस नेतृत्व का यह सम्मान पहली बार किया जा रहा है, जिसे अब हर साल 10 जून को लायन नेतृत्व सम्मान दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

मांग भेड़ाघाट क्रिकेट स्टेडियम का बचाया जाए अस्तित्व , स्थानीय नागरिकों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंप की मांग

भेड़ाघाट क्रिकेट स्टेडियम को हैलीपेड बनाने का विरोध तेज

नवभारत,जबलपुर। भेड़ाघाट स्थित क्रिकेट स्टेडियम मैदान को स्थायी हेलीपैड एवं हेलीकॉप्टर पार्किंग स्थल के रूप में विकसित किए जाने की संभावित योजना का स्थानीय नागरिकों, खिलाड़ियों और वरिष्ठजनों ने विरोध किया है। इस संबंध में स्थानीय जनों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर मैदान के मूल स्वरूप को सुरक्षित रखने की मांग की है।

ज्ञापन में कहा गया है कि भेड़ाघाट क्रिकेट स्टेडियम क्षेत्र का एकमात्र बड़ा सार्वजनिक मैदान है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में स्थानीय खिलाड़ी क्रिकेट का अभ्यास करते हैं। वहीं वरिष्ठ नागरिक मॉर्निंग और इवनिंग वॉक के लिए भी इस मैदान का उपयोग करते हैं। इसके अलावा भेड़ाघाट प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक स्थल होने के कारण नववर्ष, पंचकोशी यात्रा, शरद पूर्णिमा तथा अन्य बड़े आयोजनों के दौरान लाखों श्रद्धालुओं और पर्यटकों के वाहनों की पार्किंग के लिए भी इसी मैदान का उपयोग किया जाता है, जिससे क्षेत्र में यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहती है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि मैदान को स्थायी हेलीपैड और हेलीकॉप्टर पार्किंग में परिवर्तित किया गया तो खिलाड़ियों, युवाओं और आम नागरिकों की खेल एवं सार्वजनिक गतिविधियां प्रभावित होंगी। स्थानीय जनों ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2017 में मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना विकास योजना के तहत क्रिकेट स्टेडियम के विकास के लिए लगभग 1 करोड़ 1 लाख 77 हजार रुपये की राशि स्वीकृत की गई थी, जिसके अंतर्गत मैदान समतलीकरण, मुख्य द्वार, दीवार, पार्किंग, पवेलियन भवन, दर्शक दीर्घा, फेंसिंग और अन्य सुविधाओं का निर्माण प्रस्तावित था।

अन्य किसी स्थान पर बनाएं हैलीपैड

दिए गए ज्ञापन में उल्लेख किया गया है की शासन द्वारा खेल सुविधाओं के विकास के लिए स्वीकृत मैदान को किसी अन्य उपयोग में परिवर्तित करना जनहित, खेल हित और शासन की मूल भावना के विपरीत होगा। नागरिकों ने मांग की है कि यदि पर्यटन विभाग को हेलीपैड की आवश्यकता है तो उसके लिए किसी अन्य उपयुक्त स्थान का चयन किया जाए, ताकि भेड़ाघाट के खिलाड़ियों, युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों और स्थानीय रहवासियों के हित प्रभावित न हों। कलेक्टर को सौंपे गए ज्ञापन में स्थानीय खिलाड़ियों, वरिष्ठ नागरिकों, युवाओं एवं भेड़ाघाट क्षेत्र के रहवासियों के हस्ताक्षर भी हैं। उन्होंने कलेक्टर से जनहित में तत्काल हस्तक्षेप कर मैदान को सुरक्षित रखने की मांग की है।

आंखें बंद होने के बाद भी दुनिया रोशन कर सकता है नेत्रदान

नवभारत , जबलपुर । हर वर्ष 10 जून यानि आज विश्व नेत्रदान दिवस मनाया जाता है। शहर में हर माह औसतन केवल 6 से 8 नेत्रदान हो रहे हैं। मृत्यु के बाद भी किसी की दुनिया रोशन की जा सकती है , लेकिन जागरूकता की कमी और समाज में फैली भ्रांतियों के कारण नेत्रदान का उद्देश्य अभी भी अधूरा है। विश्व नेत्रदान दिवस पर यह सवाल और भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि जब एक दान से दो लोगों की आंखों की रोशनी लौट सकती है, तब भी हजारों लोग इंतजार की सूची में क्यों हैं। जबलपुर में वर्तमान समय में करीब 450 मरीज कॉर्निया प्रत्यारोपण का इंतजार कर रहे हैं।

नेत्र विशेषज्ञ डॉ. पवन स्थापक के अनुसार, भारत में होने वाले कुल कॉर्निया प्रत्यारोपण विश्व के प्रत्यारोपणों का लगभग एक-तिहाई हैं, लेकिन देश की बड़ी आबादी को देखते हुए यह संख्या अभी भी बहुत कम है। उन्होंने बताया कि श्रीलंका जैसे छोटे देश में लगभग 100 प्रतिशत नेत्रदान की संस्कृति विकसित हो चुकी है, जिससे वहां कॉर्निया की उपलब्धता बेहतर है। भारत में प्रतिदिन होने वाली मृत्यु के बाद अधिक से अधिक लोग नेत्रदान करें, तो कॉर्निया की कमी काफी हद तक समाप्त हो सकती है और प्रतीक्षा सूची में खड़े हजारों मरीजों को नई जिंदगी मिल सकती है। विश्व नेत्रदान दिवस केवल एक दिवस नहीं, बल्कि यह संदेश है कि एक नेत्रदाता दो लोगों के जीवन में रोशनी ला सकता है। यदि समाज जागरूक होकर नेत्रदान को अपनाए, तो जबलपुर सहित देशभर में कॉर्निया प्रत्यारोपण का इंतजार कर रहे हजारों मरीजों की जिंदगी फिर से रोशन हो सकती है।

इनका कहना है

यदि भारत में प्रतिदिन होने वाली मृत्यु के बाद अधिक से अधिक परिवार नेत्रदान के लिए सहमति दें, तो कॉर्निया की कमी काफी हद तक दूर हो सकती है और हजारों लोगों को नई दृष्टि मिल सकती है।

डॉ. पवन स्थापक
नेत्र विशेषज्ञ